मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

03 सितम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 18 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

Periodicity- Weekly

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

कांग्रेस का "वोट अधिकार सत्याग्रह" पैदल मार्च निकला

मध्य प्रदेश की सरकार चोरी की सरकार-जीतू पटवारी

वोट चोरी, फसल बीमा, अतिवृष्टि से सोयाबीन फसल नुकसानी, रेडक्रास चुनाव और विभिन्न मुद्दों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नीमच 1 सितम्बर (निप्र)। जिला मुख्यालय नीमच पर जिला कांग्रेस ने सोमवार को शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में "वोट अधिकार सत्याग्रह" सभा तथा वोट चोर गद्दी छोड़ पैदल मार्च भी निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्त्ता शामिल हुए। इस दौरान पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश समेत देश भर में वोट चोरी की सरकार चल रही है। मध्य प्रदेश की सरकार चोरी की सरकार है। वोट जनता का अधिकार है हम उसे चोरी नहीं होने देंगे। जीतू पटवारी ने कहा लोकसभा में 25 से ज्यादा सीटें चोरी के वोटो से जीती गई हैं। उन्होंने कहा मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र की प्रदेश सरकार भी चोरी के वोट से बनाई गई है। वोट एक ही भरोसा होता है जो देश को बंध कर रखता है। वोट में लोगों को उम्मीद रहती है कि हमारा विधायक जीत रहा है, हमारा पार्षद जीत रहा है, तो हमारे क्षेत्र हमारे मोहल्ले में काम करेगा। हमारा नेता ऐसा हो जो हमारे पास आए हम उसको बोल कर उससे अपने क्षेत्र के विकास का काम कराएं। हमारे परिवार में कोई तकलीफ हो तो हमारा विधायक हमारे पास पहुंचे। ऐसे देश की रीति नीति बनती है, तो एक वोट भरोसा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर आरोप लगाया है कि उन्होंने मप्र को शराब का कॉरिडोर बना दिया है। उन्होंने स्थानीय मुद्दो को भी उठाया और ढिल्लन भूखंड को लेकर कहा कि नपा में जमीनों के घोटाले जारी है। 500 करोड़ से ज्यादा भ्रष्टाचार किया जा चुका है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरूण बाहेती ने जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलने पर वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और सत्ता के खिलाफ लड़ाई लड़ने और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की रक्षा के लिए संकल्प लिया। बाहेती ने कहा कि कहा जनता ने लोकतांत्रिक ढंग से वोट देकर हमें मजबूत समर्थन दिया, लेकिन सत्ता हथियाने के लिए भाजपा ने अनैतिक तरीकों का इस्तेमाल किया।

शेष पेज नं. 4 पर...

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पर स्याही-काले झंडे फेंके

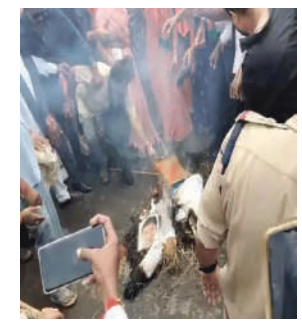

नीमच 1 सितम्बर (निप्र)। नीमच आए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को भाजपा कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाए। उन पर कालिख फेंके। उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

जीतू पटवारी सोमवार को 'वोट चोर गद्दी छोड़' यात्रा लेकर नीमच पहुंचे थे। दोपहर करीब एक बजे उनका काफिला 40 सर्किल से गुजरा। पटवारी गाड़ी के ऊपर बैठे थे। तभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। उन पर काले झंडे फेंके। फेंकी गई स्याही पटवारी पर नहीं पड़ी, लेकिन कुछ पुलिस अधिकारियों की वर्दी पर गिरी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' के नारे लगाए। जबकि भाजपा कार्यकर्ता 'गली-गली में शोर है, राहुल गांधी चोर है' के नारे लगा रहे थे।

जीतू पटवारी का पुतला भी फूंका - एक तरफ जीतू पटवारी का काफिला दूसरी ओर प्रदर्शन करते भाजपा कार्यकर्ता। इस स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने दोनों पक्षों को अलग कर स्थिति को काबू में किया। भारत माता चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जीतू पटवारी का पुतला भी फूंका।

पटवारी के जाने के बाद गंगाजल छिड़का - जीतू पटवारी के नीमच से जाने के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भारत माता चौराहे पर गंगाजल का छिड़काव कर शहर का शुद्धीकरण किया। उनका कहना है मातृ शक्ति का अपमान करने वाले व्यक्ति के आने से शहर अपवित्र हो गया था।

पूर्व जिलाध्यक्ष चौरसिया ने सौंपा तरूण को पदभार

जनसभा के दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की मौजूदगी में पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनिल चौरसिया ने नवागत कांग्रेस जिलाध्यक्ष तरूण बाहेती को कांग्रेस का दुप्पटा गले में डालकर जिलाध्यक्ष का पदभार सौंपा। इस मौके पर पूर्व जिलाध्यक्ष अरविंद चौपड़ा व अजीत कांठेड़ भी मौजूद रहे। श्री चौरसिया ने कहा कि मैंने कांग्रेस में छटनी का काम किया है, जिसे संभालना अब तरूण का काम है। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस का महेंद्रसिंह धोनी था, जिसने शुभमन गिल(तरूण बाहेती) को कमान सौंप दी है, लेकिन मैं कांग्रेस का हमेशा सक्रिया कार्यकर्ता रहूंगा।

मधुमक्खी पालन पर दो दिवसीय प्रशिक्षण आज से

नीमच 2 सितम्बर (निप्र)। राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहर मिशन योजना के तहत नीमच जिले में 3 व 4 सितम्बर 2025 को प्रातः 11 बजे टाउन हाल दशहरा मैदान नीमच में दो दिवसीय जिला स्तरीय सेमिनार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। उद्यानिकी विभाग द्वारा कृषि विज्ञान केंन्द्र के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के चयनित किसानों, मधुमक्खी पालकों, उद्यमियों एवं इच्छुक युवाओं को वैज्ञानिक मधुमक्खीपालन, शुद्ध शहद उत्पादन बाजार से जुडाव एवं सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के तरीके सिखाए जाएंगे । कृषि विज्ञान केन्द्र के अनुभवी वैज्ञानिकों ,तकनिकी विशेषज्ञों क्षेत्रीय अधिकारियों एवं प्रगतिशिल मधुमक्खी पालकों द्वारा भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी प्रशिक्षण स्थल पर उपस्थित होकर, इस प्रशिक्षण में भाग ले सकते है ।

मालवा की वैष्णोदेवी महामाया भादवामाता लोक को सजाने-संवारने में कोई कोर कसर नहीं छोडेंगे - दिलीपसिंह परिहार

भादवामाता पंचायत में 72 लाख 73 हजार के विकास कार्यों का भूमि पूजन व लोकार्पण सम्पन्न

नीमच । मालवा की वैष्णोदेवी महामाया भादवामाता लोक को सजाने और संवारने में कोई कोर कसर नहीं छोडेंगे। भादवामाता के आशीर्वाद से ही क्षेत्र में हम विकास कार्यों की निरंतर श्रृंखला बना रहे हैं। हमने विकास कार्यों को लेकर कभी भेदभाव नहीं किया। हमने जो कहा वो करके दिखाया है।

उक्त आशय के उद्गार नीमच विधायक दिलीपसिंह परिहार ने ग्राम पंचायत भादवामाता में आयोजित 72 लाख 73 हजार रूपए के विकास कार्यों के भूमि पूजन व लोकार्पण कार्यक्रम में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गरीब मां का बेटा देश का प्रधानमंत्री बना है। उस गरीब मां के बेटे को कांग्रेसी लोग पानी पी पी कर गाली दे रहे हैं। हताशा और निराशा में जीतू पटवारी ने लाडली बहनों को मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा शराब पीने वाला बताया है। इसका जवाब आने वाले चुनावों में जनता उन्हें देगी। आतंकवाद को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया। आज सम्पूर्ण विश्व भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। परिहार ने कहा कि चम्बल का पानी हर खेत की प्यास बुझाने वाला है। योजना मंजूर हो गई है। हर गांव में चम्बल का पानी आएगा। सरकार मध्यप्रदेश को दुग्ध उत्पादन में अव्वल बनाने के लिए पशुपालकों के लिए योजनाएं लाई है, जिसमें गाय, भैंस एवं बकरी पालन के लिए सरकार 30 प्रतिशत तक की सब्सिडी पशुपालकों को दे रही है। औद्योगिक क्षेत्र का निरंतर विकास किया जा रहा है। किसानों के लिए सर्वसुविधायुक्त मण्डी बनाई गई है। श्री परिहार ने सभी 68 पंचायतों में 15-15 लाख रूपए विकास कार्यों के लिए देने की घोषणा भी की।

विधायक ओमप्रकाश सकलेचा की पहल पर जावद एवं सिंगोली मंडियों में बनेगा अत्याधुनिक किसान भवन

जावद 2 सितम्बर (निप्र)। जावद विधानसभा क्षेत्र के किसानों के लिए बड़ी सौगात आई है। क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक ओमप्रकाश सकलेचा की पहल और प्रयासों से जावद एवं सिंगोली मंडी परिसर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त दो नए किसान भवनों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रत्येक मंडी के लिए 1.25 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग द्वारा पत्र क्रमांक 1560 दिनांक 6 सितम्बर 2024 के माध्यम से यह स्वीकृति जारी की गई। राशि का प्रावधान मंडी बोर्ड निधि/किसान सड़क निधि मद से किया जाएगा। निर्देश दिए गए हैं कि दोनों मंडियों के प्रांगण में भवन निर्माण हेतु विस्तृत प्राक्कलन तैयार कर मंडी समिति के प्रस्ताव के साथ भेजा जाए।

सकलेचा का किसानों के लिए संकल्प - विधायक ओमप्रकाश सकलेचा ने कहा कि जावद और सिंगोली मंडियों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना उनका संकल्प है। इस भवन से किसानों को मंडी परिसर में बैठने, लेनदेन करने और कृषि संबंधी गतिविधियों में सुविधा मिलेगी। क्षेत्र के किसानों ने इस निर्णय पर विधायक सकलेचा का आभार जताते हुए इसे जावद-सिंगोली क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक कदम बताया।

श्रीमती शैलेंद्र कुंवर सामंत सिंह चौहान करणी सेना क्षत्राणी इकाई की उज्जैन संभाग उपाध्यक्ष नियुक्त

नीमच 1 सितम्बर (निप्र)। करणी सेना परिवार मध्य प्रदेश के क्षत्राणी इकाई की प्रदेश अध्यक्ष ममता -जितेंद्र सिंह सोलंकी खरगोन ने करणी सेना परिवार के मुखिया ठाकुर जीवन सिंह शेरपुर की सहमति एवं प्रदेश प्रभारी दुर्गेश कुंवर बी.एस .भाटी के निर्देशानुसार श्रीमती शैलेंद्र कुंवर सामंत सिंह चौहान भाटखेड़ा नीमच को करणी सेना परिवार क्षत्राणी इकाई मध्य प्रदेश के उज्जैन संभाग उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया। इस नियुक्ति पर श्रीमती शैलेंद्र कुंवर- सामंत सिंह चौहान ने करनी सेना क्षत्राणी संघ की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष द्वय श्रीमती स्वाति सिंह श्रीमती सविता सिंह मौर्य प्रदेश कार्यकारी संगठन मंत्री श्रीमती गीता राकेश सिंह गौतम प्रदेश मीडिया कोऑर्डिनेटर रितु मौर्य का आभार व्यक्त करते हुए संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व को पूरी निष्ठा के साथ निभाने का संकल्प लिया।

डॉ. अशोक जैन आठवीं कार्डियक समिट में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

नीमच 1 सितम्बर (निप्र)। नीमच के प्रसिद्ध वरिष्ठ चिकित्सक और पुखरतन हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अशोक जैन को उदयपुर में आयोजित आठवीं कार्डियक समिट में लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें चिकित्सा क्षेत्र में दिए गए उनके उत्कृष्ट योगदान और 38 वर्षों की सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ. अशोक जैन मालवा क्षेत्र के एकमात्र चिकित्सक हैं जिन्हें इस प्रतिष्ठित अवार्ड से नवाजा गया। 30-31 अगस्त को उदयपुर के पांच सितारा होटल मेरियट में आयोजित इस समिट में राजस्थान और मध्य प्रदेश से लगभग 200 कार्डियक विशेषज्ञों ने भाग लिया। सम्मेलन में हृदय रोग से संबंधित नवीनतम शोध, उपचार पद्धतियाँ और चुनौतियों पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के डीन डॉ. विपिन माथुर, डॉ. एस. के. कौशिक, डॉ. अमित खंडेलवाल, डॉ. आनंद गुप्ता शामिल थे।कार्यक्रम में डॉ. सुभाष चंद्र, डॉ. हेमंत देसाई सहित मुंबई, बेंगलुरु, गुड़गांव और चंडीगढ़ के ख्यातनाम विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए।डॉ. अशोक जैन का यह सम्मान नीमच और सम्पूर्ण मालवा क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। चिकित्सा सेवा में उनका लगभग चार दशकों का अनुभव और समाज के प्रति उनकी निरंतर सेवा भावना अनुकरणीय है।

गौरतलब है कि वे लगातार 10 वर्षों तक इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) नीमच के अध्यक्ष रह चुके हैं। साथ ही प्रदेश स्तर पर विभिन्न पदों पर कार्य करते हुए उन्हें अनेक सम्मानों से अलंकृत किया गया है। उन्हें 'श्रेष्ठ अध्यक्ष' के रूप में भी सम्मानित किया जा चुका है ।

नगरपरिषद कंप्यूटर ऑपरेटर 7 हजार रिश्वत लेते पकड़ाया

नीमच 1 सितम्बर (निप्र)। लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने सोमवार को नीमच जिले के जीरन नगर परिषद में बड़ी कार्रवाई की। यहां पदस्थ लिपिक चैनसुख बैरागी को 7 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों दबोच लिया गया।जानकारी के मुताबिक, जीरन निवासी भरत कुमार भट्ट ने लोकायुक्त में शिकायत की थी कि लिपिक ने उनकी मां सागर बाई से संबल योजना का कार्ड बनाने के लिए 15 हजार रुपए की मांग की है। शिकायत की जांच के बाद टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। सोमवार को जैसे ही शिकायतकर्ता ने पहली किस्त के 7 हजार रुपए लिपिक को सौंपे, लोकायुक्त टीम ने उसे पकड़ लिया।

कार्रवाई के बाद नगर परिषद परिसर में हड़कंप मच गया। टीम आरोपी लिपिक को अपने साथ उज्जैन ले गई। मामले में आगे की पूछताछ और कार्रवाई जारी है।

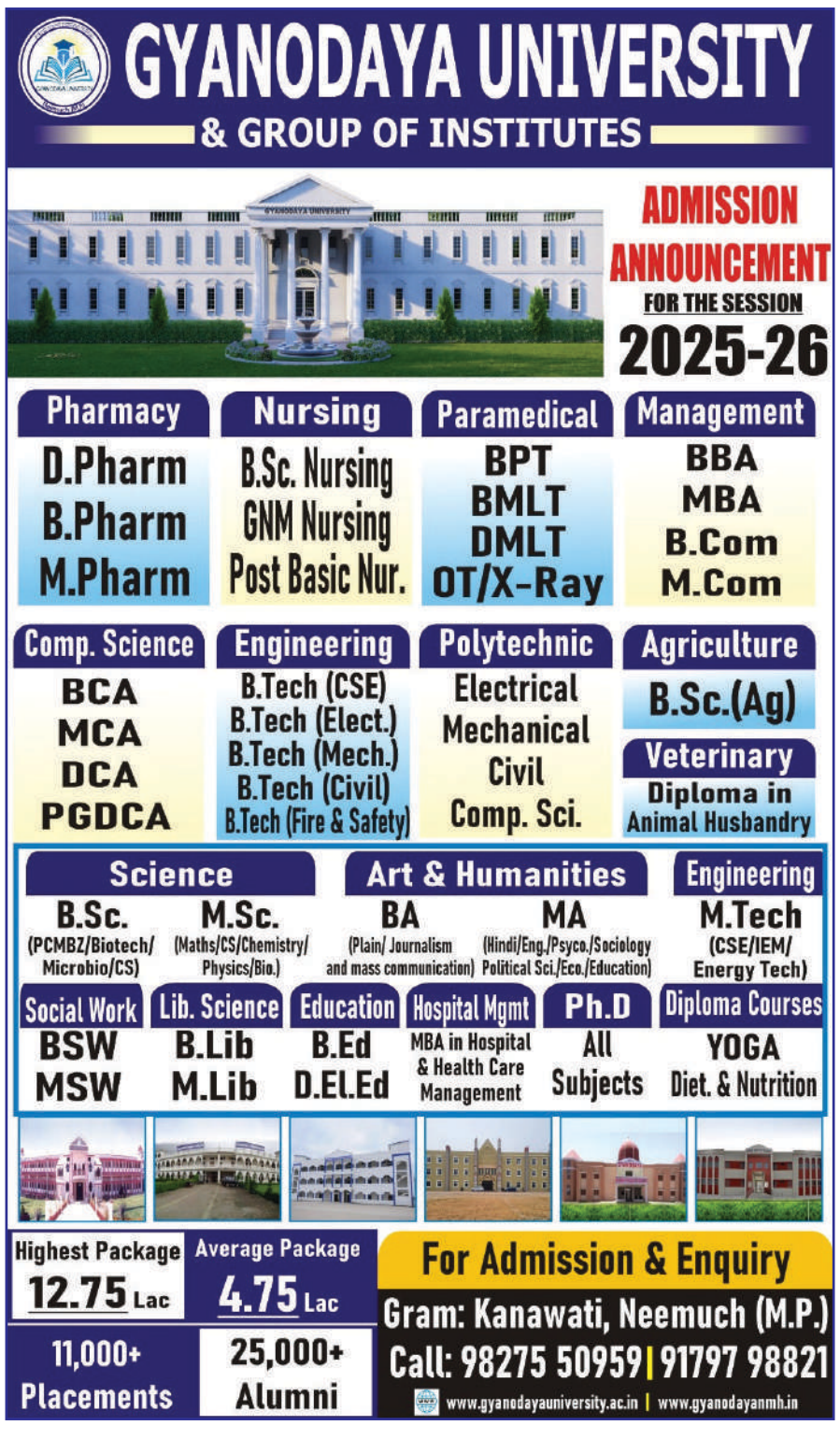

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

ललित गर्ग

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं।

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बबार्दी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी हैं, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों

को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पदार्फाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बबार्दी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरूआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुमार्ना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

संपादकीय

नीयत की खलल

मानसून सत्र समाप्त होने के बस दो दिन शेष होने से पूर्व ही सरकार ने भारी हंगामे के बीच तीन विधेयक पेश किए जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार व लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे गए प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों व मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। तीनों विधेयक संसद की संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया गया है। कुछ सदस्यों ने विरोधस्वरूप गृह मंत्री अमित शाह की तरफ कागज फाड़कर भी उड़ाए। विधेयकों पर कहा गया है कि गंभीर दंड़नीय अपराधों के आरोपों का सामना कर रहे मंत्री को गिरफ्तार किया जाता है या हिरासत में रखा जाता है तो वह संवैधानिक नैतिकता के मापदंड़ों तथा सुशासन के सिद्धांतों को विफल कर सकता है या बाधा ड़ाल सकता है। इससे नागरिकों द्वारा जताए गए विश्वास को कम कर सकता है। इसके लिए संविधान में कोई उपबंध नहीं है।

अभी तक दोषी ठहराए जाने पर सांसदी या विधायकी जाती है। विपक्ष ने इसे असंवैधानिक बताते हुए विरोध किया। बिलों में जम्मू-कश्मीर री-आगेर्नाइजेशन (संशोधन बिल) और द गवर्नमेंट ऑफ यूनियन टेरेटरीज भी पेश किए। सरकार पर आरोप है कि तमिलनाडु.की ड़ीएमके सरकार में मंत्री रहे वी सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी के बाद उपजे विवाद के बाद लाई है। बेशक, अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार किया गया था। हालांकि कहा गया कि उन्हें फंसाया गया था। मोदी सरकार ने विपक्षी दलों पर दबाव बनाने के लिए यह दांव खेलना शुरू किया है, जिसकी निंदा हो रही है। मनमाने ढंग या असंगत तरीके से कानूनों को दरकिनार करते हुए विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारी लोकतांत्रिक नहीं ठहराई जा सकती। इस मसौदे में प्रधानमंत्री को पद से हटाने की बात जोड़ने का तात्पर्य स्पष्ट नहीं है। संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इस तरह के कदम संदेह उपजाते हैं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू करने और आरोप सिद्ध होने के बाद कड़ी सजा के प्रावधान होने चाहिए। कानून को अपना काम निष्पक्षता से करने की पूरी आजादी होनी चाहिए। सरकारी एजेंसियों को आरोप मढ़ने या संदेह पर कोई निर्णय लेने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। दोषी साबित होने या सजायाफ्ता नेताओं द्वारा बगैर चुने या परिवार वालों को मंत्री/मुख्यमंत्री बनाने का अधिकार भी नहीं होना चाहिए।

चिंतन-मनन

इच्छाओं को समर्पित करते जाओ

सभी इच्छाएं खुशी के लिए होती हैं। इच्छाओं का लक्ष्य ही यही है। किंतु इच्छा आपको कितनी बार लक्ष्य तक पहुंचाती है? इच्छा तुम्हें आनंद की ओर ले जाने का आभास देती है, वास्तव में वह ऐसा कर ही नहीं सकती। इसीलिए इसे माया कहते हैं। इच्छा कैसे पैदा होती है? किसी सुखद अनुभव की स्मृति या भूत के प्रभाव से इच्छा पैदा होती है। कुछ सुनने से भी इच्छा जागृत हो सकती है या किसी विशेष स्थान या व्यक्ति के संपर्क से। किसी और व्यक्ति की जरूरत या इच्छा भी तुम्हारी अपनी इच्छा के रूप में पैदा हो सकती है। मान लो कोई भूखा है, तो तुम्हें उसे खिलाने की इच्छा हो सकती है, या कोई तुमसे बात करना चाहता हो तो तुम्हारी भी उससे बात करने की इच्छा हो सकती है। कभी-कभी नियति या कोई घटना जिसमें तुम्हें भाग लेना है, तुममें इच्छा जाग्रत करती है, पर तुम अपने कृत्यों का कारण नहीं जानते।

इच्छाएं अपने आप उत्पन्न होती हैं, वे तुमसे पूछकर नहीं आतीं। जब इच्छाएं उत्पन्न होती हैं, तुम उनका क्या करते हो? यदि तुम सोचते हो कि तुम इच्छाहीन हो जाओ, तो यह भी एक और इच्छा है। मैं एक उपाय बताता हूं- सिनेमा देखने के लिए टिकट खरीदनी पड़ती है और यह टिकट प्रवेश द्वार पर देनी पड़ती है। यदि तुम उस टिकट को पकड़े रखोगे तो अंदर कैसे जाओगे? उसी प्रकार, यदि तुम किसी कॉलेज में दाखिल होना चाहते हो तो आवेदन पत्र की जरूरत है। उसे भरकर जमा करना पड़ता है। उसे पकड़कर नहीं रख सकते। इसी प्रकार जीवन-यात्रा में भी अपनी इच्छाओं को पकड़कर मत रखो, उन्हें समर्पित करते जाओ। जैसे-जैसे समर्पण करते जाओगे, इच्छाएं भी कम उत्पन्न होंगी। सौभाग्यवान वे हैं जिनमें इच्छा उत्पन्न ही नहीं होती, क्योंकि इच्छा जागृत होने के पहले ही वे तृप्त हैं।

अब तक का सबसे रोचक उपराष्ट्रपति पद का चुनाव?

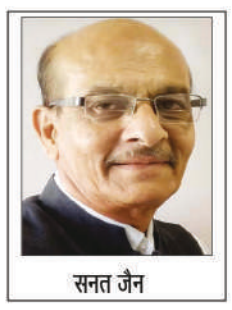

सनत जैन

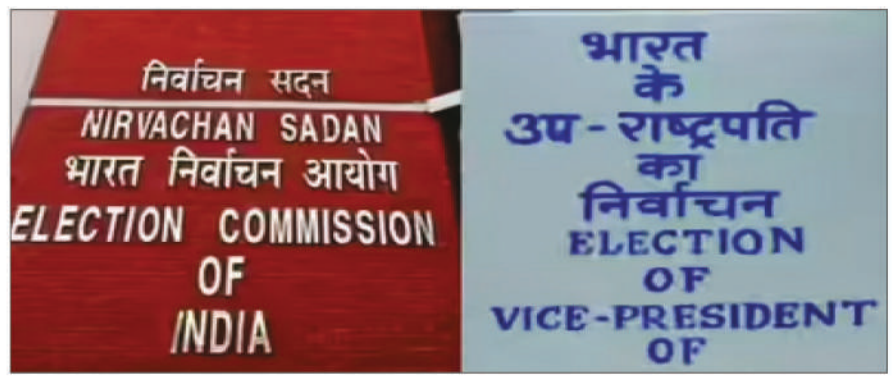

परिणाम से तय होगा देश का भविष्य...

संसद का मानसून सत्र शुरू होने के तुरंत बाद राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा हो गया। जिसके कारण रिक्त पद पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। इस्तीफा देने के बाद से पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ अज्ञातवास में है। इस्तीफा के कारणों को लेकर भी तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसी बीच उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई। संसद के दोनों सदनों में पहले ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद एसआईआर को लेकर दोनों सदनों में हंगामा होता रहा। सरकार ने बिना चर्चा के एक दर्जन से ज्यादा बिल हंगामा के बीच पास कर दिये। ऑपरेशन सिंदूर में दोनों सदनों में लगभग 16-16 घंटे की चर्चा हुई। इसके अलावा संसद में कोई कामकाज नहीं हुआ। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में जिस तरह की तनातनी चल रही है। इस बीच सरकार ने एक नया बिल पेश किया। इस बिल को जेपीसी के पास भेज दिया गया है। यदि यह बिल पास हो जाता है, तो केंद्र में जो भी सरकार होगी। वह विपक्षी दलों की राज्य सरकारों को या किसी भी प्रदेश की राजनीति को अपने ढंग से चलाने में सक्षम हो जाएगी। केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्षी दलों के नेताओं पर 5000 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। कई नेता और अधिकारी जो नया बिल सरकार लेकर आ रही है उसके अनुसार 30 दिन कोई भी मुख्यमंत्री, मंत्री अथवा प्रधानमंत्री हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे उसके पद से हटाया जा सकता है। ईड़ी का जो कानून है, उसके अनुसार न्यायालय से जमानत मिलने का कोई प्रावधान नहीं है। ईड़ी के पास असीमित शक्तियां हैं। पिछले कुछ वर्षों में विपक्षी दलों के नेताओं के ऊपर जिस तरीके की कार्रवाई हुई है। उन्हें न्यायालय से जमानत नहीं मिल पाई। कई राज्यों में ईड़ी के कारण विपक्षी दलों की सरकार गिर गई या राजनीतिक अस्थिरता फैल गई। इस बिल को सभी क्षेत्रीय राजनीतिक दलों और विपक्षी दलों में इस बात का भय उत्पन्न हो गया है। यह बिल पास हो जाएगा, उसके बाद देश में विपक्षी राजनीतिक दलों और क्षेत्रीय दलों का कोई काम नहीं रह जाएगा। ऐसे विषम स्थिति पर उपराष्ट्रपति पद का चुनाव होने जा रहा है। सत्ता पक्ष की ओर से महाराष्ट्र के राज्यपाल राधाकृष्णन को चुनाव मैदान में उतरा गया है। वह संघ एवं भाजपा से कई दशकों से जुड़े हुए हैं। झारखंड में हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री रहते हुए राजभवन से गिरफ्तार किया गया था। तब वह झारखंड के राज्यपाल थे। जगदीप धनखड़ भी पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ाकर राज्यसभा का सभापति बना दिया था। राज्यसभा में उन्होंने किस तरीके से काम किया है। यह किसी से छिपा हुआ नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष जिस तरह से सरकार के ही इशारे पर संसदीय कार्य करते हैं। उससे संसदीय परंपरा मैं विपक्ष मरणासन्न अवस्था में पहुंच गया है। वर्तमान स्थिति में मोदी सरकार गठबंधन की सहायता से चल रही है। राहुल गांधी ने लोकसभा 2024 और विधानसभाओं के चुनावों में जिस तरह की गड़बड़ियों हुई हैं। इसको उजागर कर चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। सभी विपक्षी राजनीतिक दल, चुनाव आयोग के खिलाफ एकजुट है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पा रही थी। इसी बीच सरकार द्वारा जो बिल संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किया गया है। उसमें 30 दिन तक कोई भी मुख्यमंत्री अथवा मंत्री गिरफ्तार किया जाता है, 30 दिन हिरासत में रहता है। ऐसी स्थिति में उसे बर्खास्त किया जा सकता है। इसको लेकर एनडीए गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल भी सरकार के इस बिल को लेकर कहीं ना कहीं संसय में आ गए हैं। सत्ता पक्ष ने तमिलनाडु के सीपी राधा कृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में उम्मीदवार बनाया है। इंडिया गठबंधन में फूट डालने और सत्ता पक्ष ने तमिल की राजनीति में एक दांव चला था। विपक्ष ने उसकी पहचाना, विपक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जो आंध्र प्रदेश से आते हैं। उन्हें उम्मीदवार बनाकर सत्ता पक्ष को कड़ी चुनौती दे दी है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में शह और मात का जो खेल शुरू हुआ है, उसका परिणाम क्या होगा, कहना मुश्किल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों उम्मीदवार एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दे रहे हैं। जिस तरह का संघर्ष सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच देखने को मिल रहा है वह रोमांचकारी है। विपक्ष संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ सीधी लड़ाई में जनता की अदालत में लड़ाई लड़ रहा है। सत्ता पक्ष अभी तक संवैधानिक संस्थाओं और अदालतों के पीछे छिपकर जो खेल खेल रहा था, उसे विपक्ष ने समझ लिया है। विपक्ष जनता की अदालत में जाकर आर-पार की लड़ाई लड़ने की तैयारी में जुट गया है। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को लेकर जो नियम और कानून बनाए थे। राहुल गांधी ने कर्नाटक की एक लोक सभा सीट के एक विधानसभा सीट में चुनाव आयोग द्वारा की गड़बड़ी उजागर किया है। संविधान और लोकतंत्र बचाने यह की एक लड़ाई बना दिया है। इस लड़ाई में उपराष्ट्रपति पद का चुनाव देश के भविष्य को तय करेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। विपक्षी एक जुटता ने सरकार के सामने कई चुनौतियां खड़ी कर दी है। खुदा ना खास्ता विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी यह चुनाव जीत जाते हैं, या बहुत कम वोटो से हारते हैं। ऐसी स्थिति में सरकार के लिए भविष्य में परेशानी खड़ी होगी। केन्द्र की अल्पमत की सरकार कितने दिन चलेगी। यह कहना मुश्किल होगा। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से जिस तरह से इस्तीफा लिया गया है। उसको लेकर भी सांसदों में एक डर और भय देखने को मिल रहा है। भविष्य में इसकी परणति किस रूप में होगी, कहना मुश्किल है। इतना तय है, सत्ता पक्ष और विपक्ष अपने अस्तित्व की अंतिम लड़ाई लड़ने जा रही है। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव परिणाम का ऊंट किस करवट बैठेगा। इसको लेकर सत्ता पक्ष की धड़कने तेज हो गई हैं।

चिंता: कॉफी पाउड़र, कॉकरोच और शाकाहार

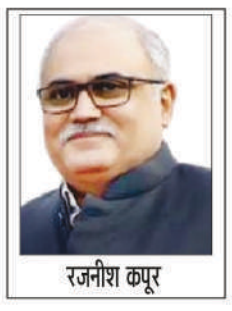

रजनीश कपूर

भारत में कॉफी और चाय न केवल पेय हैं, बल्कि हमारे सामाजिक मेलजोल और रोजमर्रा की जिंदगी के अभिन्न हिस्से बन चुके हैं। सुबह की ताजगी हो या दोस्तों के साथ गपशप, कॉफी का एक कप हमें जोड़ता है। लेकिन क्या हो अगर यह कॉफी, जिसे हम शुद्ध और शाकाहारी मानते हैं, वास्तव में शाकाहारी न हो? हाल में सोशल मीडिया में कुछ खबरों और अध्ययनों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है कि कॉफी पाउडर में कॉकरोच जैसे कीड़ों की मिलावट हो सकती है। यह न केवल खाद्य सुरक्षा का सवाल उठाता है, बल्कि उन लाखों शाकाहारी लोगों के विश्वास को भी तोड़ता है जो अपने आहार को लेकर सजग रहते हैं। पेय और खाद्य पदार्थों में बढ़ती मिलावट की समस्या एक गंभीर मुद्दा है जिसे हल्के में नहीं लेना चाहिए।

कॉफी पाउडर में कॉकरोच की मौजूदगी का विचार ही किसी के लिए भी घृणित हो सकता है, लेकिन यह केवल एक डरावनी कहानी नहीं, बल्कि वास्तविकता है जो खाद्य प्रसंस्करण और गुणवत्ता नियंत्रण की कमियों को उजागर करती है। कुछ अध्ययनों और उपभोक्ता शिकायतों के अनुसार, सस्ते और निम्न गुणवत्ता वाले कॉफी पाउडर में कीड़े, कॉकरोचों के अवशेष और अन्य अशुद्धियां पाई गई हैं। यह समस्या विशेष रूप से उन ब्रांडों में देखी गई है, जो लागत कम करने के लिए निम्न गुणवत्ता वाले कच्चे माल का उपयोग करते हैं, या जिनके उत्पादन इकाइयों में स्वच्छता मानकों का पालन नहीं होता। कॉकरोच जैसे कीड़े न केवल कॉफी को अशुद्ध करते हैं, बल्कि इसे शाकाहारी पेय की श्रेणी से बाहर भी ले जाते हैं। भारत जैसे देश, जहां शाकाहार न केवल आहार है बल्कि धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्य भी है, में यह एक गंभीर मुद्दा है। शाकाहारी लोग अपने भोजन और पेय में पशु-आधारित सामग्री से बचते हैं, लेकिन ऐसी मिलावट उनकी पसंद और विश्वास का उल्लंघन करती है। यह न केवल स्वास्थ्य के लिए खतरा है, बल्कि नैतिकता और विश्वास का भी सवाल है। वहीं यदि कोई कॉफी के साबुत बीन्स को स्वयं ही पीस कर कॉफी बनाए तो उसमें मिलावट का डर नहीं रहता।

कॉफी पाउडर में कॉकरोचों की मिलावट केवल एक उदाहरण है। खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या भारत में लंबे समय से चली आ रही है। दूध, मसाले, शहद, घी यहां तक कि अनाज जैसे रोजमर्रा के खाद्य पदार्थ भी मिलावट के शिकार हैं। दूध में पानीङ्क यूरिया या डिटर्जेंट मिलाने की खबरें आम हैं। मसालों में कृत्रिम रंग, चूरा या इट का पाउडर मिलाया जाता है। शहद में चीनी का सिरप और घी में वनस्पति तेल की मिलावट नई बात नहीं है। इनमें से कई मिलावटें न केवल शाकाहारी भोजन को प्रभावित करती हैं, बल्कि कुछ मामलों में पशु-आधारित सामग्री भी शामिल हो सकती हैं। कुछ सस्ते घी ब्रांडों में पशु वसा की मिलावट भी पाई गई है, जिसे शाकाहारी पूरी तरह से अस्वीकार करते हैं। कुछ मिठाइयों और बेकरी उत्पादों में अंडे या पशु-आधारित जेलाटिन का उपयोग होता है, जिसे पैकेजिंग पर स्पष्ट रूप से नहीं बताया जाता। मिलावट का प्रभाव स्वाद या गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, यह स्वास्थ्य के लिए भी खतरा है। कॉकरोच और अन्य कीड़े बैक्टीरिया और रोगजनकों के वाहक हो सकते हैं, जो कॉफी के सेवन से पेट की बीमारियों, एलर्जी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण बन सकते हैं। मिलावटी खाद्य पदार्थों में रासायनिक पदार्थों का उपयोग जैसे कृत्रिम रंग या संरक्षक, दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे कैंसर, गुर्दे की बीमारी और हृदय रोगों को जन्म दे सकता है।

शाकाहारी लोग अपने आहार को लेकर इसलिए सजग रहते हैं कि यह उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक-पर्यावरणीय मान्यताओं का हिस्सा है। जब उन्हें पता चलता है कि उनका भोजन शाकाहारी नहीं है, तो उनके विश्वास और मूल्यों पर चोट पड़ती है। खाद्य कंपनियों और नियामक संस्थानों पर भी सवाल उठाता है कि वे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा क्यों नहीं कर पा रहे। मिलावट के कई कारण हैं-पहला, लागत कम करने की होड़, दूसरा, खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन न होना और निरीक्षण की कमी, तीसरा, उपभोक्ताओं में जागरूकता की कमी।

इस समस्या का समाधान तभी संभव है जब सभी हितधारक मिलकर काम करें। सरकार को खाद्य सुरक्षा मानकों को और सख्त करना चाहिए और नियमित

निरीक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। खाद्य कंपनियों को पारदर्शिता बरतनी चाहिए और अपने उत्पादों की सामग्री को स्पष्ट रूप से पैकेजिंग पर उल्लेख करना चाहिए। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा और विश्वसनीय ब्रांडों को चुनना होगा। सरकार, खाद्य कंपनियों और उपभोक्ताओं को मिल कर इस समस्या का समाधान करना होगा ताकि हमारा भोजन और पेय न केवल स्वादिष्ट हो, बल्कि शुद्ध-नैतिक भी हो। कॉफी का कप हमें ताजगी और खुशी देता है, और यह हमारा अधिकार है कि यह शाकाहारी और सुरक्षित रहे।

(लेख में विचार निजी हैं)

पॉडकास्ट शो 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करेंगे सोहा अली खान

बालीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी पॉडकास्ट सीरीज 'ऑल अबाउट हर' की मेजबानी करने जा रही हैं। इस पॉडकास्ट शो का प्रीमियर 22 अगस्त से यूट्यूब पर होगा। यह महिला-केंद्रित शो होगा जिसमें महिलाओं से जुड़े मुद्दों और उनकी कहानियों को प्रमुखता दी जाएगी। इस पॉडकास्ट में विभिन्न क्षेत्रों की नामी महिलाएं मेहमान बनकर आएंगी। मलाइका अरोड़ा, करीना कपूर खान, स्मृति ईरानी, राधिका गुप्ता, पत्रलेखा, सनी लियोन जैसी जानी-मानी हस्तियां इसमें शामिल होंगी। वहीं, चिकित्सा और स्वास्थ्य जगत से डॉ. किरण कोएल्हो, डॉ. रंजना धनु और रुजुता दिवेकर जैसी विशेषज्ञ भी इसमें हिस्सा लेंगी। शो में कामकाजी महिलाओं की चुनौतियां, घर और दफ्तर के बीच संतुलन, निवेश और फाइनेंशियल इंडिपेंडेंस के तरीके, मानसिक स्वास्थ्य जैसे अहम विषयों पर खुलकर बातचीत होगी। सोहा अली खान ने इस शो को लेकर अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, 卐पिछले कुछ सालों में मैंने महसूस किया कि महिलाएं जीवन में कई बदलावों से गुजरती हैं शारीरिक, मानसिक, मातृत्व, काम और व्यक्तिगत संतुलन जैसे पहलुओं पर। लेकिन अक्सर इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। हमें मजबूत बनने के लिए कहा जाता है, लेकिन अपनी कमजोरी दिखाने की इजाजत नहीं होती। हमें आगे बढ़ने को कहा जाता है, लेकिन आवाज उठाने की हिम्मत नहीं दी जाती। 'ऑल अबाउट हर' के जरिए मैं इसे बदलना चाहती हूं।' सोहा ने आगे कहा कि उनका उद्देश्य एक ऐसा मंच देना है जहां महिलाएं बिना किसी हिचकिचाहट, आलोचना या रोक-टोक के अपनी बात कह सकें। उन्होंने कहा, 'मैं चाहती थी कि यह बातचीत सहज, ईमानदार और कभी-कभी असहज भी हो, लेकिन अंत में हीलिंग का अनुभव दे।'

बागी-4 का रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज, फैंस का जीता दिल

बॉलीवुड फिल्म 'बागी-4' में जबर्दस्त अभिनय को लेकर अभिनेता टाइगर श्रॉफ जबरदस्त चर्चा में हैं। फिल्म का टीजर हाल ही में लॉन्च हुआ था। अब फिल्म का पहला रोमांटिक गाना 'गुजारा' रिलीज कर दिया गया है। यह गाना आज टी-सीरीज के यूट्यूब चैनल पर जारी हुआ, जिसने रिलीज के साथ ही फैंस का दिल जीत लिया। इस गाने में टाइगर श्रॉफ के साथ नजर आ रही हैं मिस यूनिवर्स रह चुकीं हरनाज संधू। दोनों के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों को बेहद प्रभावित किया है। गाने की कहानी रॉनी यानी टाइगर श्रॉफ और उनकी प्रेमिका के इर्द-गिर्द घूमती है। रॉनी अपने प्यार के लिए किसी भी हद तक जाने और सब कुछ कुर्बान करने को तैयार दिखते हैं। इससे साफ हो गया है कि फिल्म में एक्शन और ड्रामा के साथ-साथ एक खूबसूरत लव स्टोरी भी देखने को मिलेगी।

'गुजारा' गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा। दर्शकों ने इसकी धुन, बोल और रोमांटिक अंदाज की जमकर तारीफ की। इसे आवाज दी है जोश बरार और परंपरा ठाकुर ने, जबकि इसके बोल जगदीप और कुमार ने लिखे हैं। संगीतकार हैं सलामत अली मतोई और जोश बरार। गाने की शूटिंग शानदार लोकेशंस पर हुई है, जो इसे और भी आकर्षक बना देती है। फिल्म की कहानी और पटकथा लिखी है साजिद नाडियाडवाला ने, जबकि निर्देशन की जिम्मेदारी ए. हर्ष के पास है। मेकर्स का कहना है कि 'बागी-4' अब तक की सबसे बड़ी और रोमांचक किस्त होगी, जिसमें धमाकेदार एक्शन, इमोशंस और अराजकता से भरी कहानी देखने को मिलेगी।

गाने की सफलता पर गायक जोश बरार ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 卐जब पहली बार यह गाना साजिद नाडियाडवाला और भूषण कुमार ने सुना, तब ही उन्होंने तय कर लिया था कि इसे 'बागी-4' में जगह दी जाएगी। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका है और मैं टाइगर और हरनाज का आभारी हूं, जिन्होंने गाने में जान डाल दी।卐 फैंस अब फिल्म के बाकी गानों और ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

जॉर्जिया के फैशन में झलकता है शाही अंदाज

हॉलीवुड अभिनेत्री जॉर्जिया एंड्रियानी इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जाना जाता है। उनके फैशन में ही का शाही अंदाज़ झलकता है। इसकी घेरदार स्कर्ट पर सुनहरी ज़री और पारंपरिक मोटिफ्स इसे त्योहारों और शादी समारोह के लिए परफेक्ट बनाते हैं।

वहीं, मस्टर्ड येलो लहंगे पर सोने की बारीक कढ़ाई और केप-स्टाइल दुपट्टा, लुक को भव्य और मॉडर्न टच देता है। उनका बरगंडी-गोल्ड लहंगा दुल्हन के फैशन का क्लासिक उदाहरण है। सिर पर दुपट्टे और ज्वेल टोन डिटेलिंग ने इसे ऑथेंटिक और रोमांटिक दोनों बना दिया। इसी तरह, पिंक, ब्लू, सिल्वर और गोल्ड का मल्टीकलर्ड लहंगा उनकी एक्सपेरिमेंटल स्टाइल को सामने लाता है। डिटैच्ड स्लीव्स और मॉडर्न ड्रेपिंग इसे मॉडर्न ब्राइड्स के लिए खास बनाती है। ऑम्ब्रे लहंगा, पारंपरिक सोने की कढ़ाई और गहरे रंगों के साथ, जॉर्जिया की क्लासिक फैशन समझ को उजागर करता है। स्टेटमेंट ज्वेलरी और आत्मविश्वास भरी स्टाइलिंग उनके हर लुक को आकर्षक बनाती है। जॉर्जिया का यह कलेक्शन दिखाता है कि कैसे पारंपरिक भारतीय फैशन को आधुनिक फ्लेयर और पर्सनल स्टाइल के साथ खूबसूरती से अपनाया जा सकता है। यही संतुलन उन्हें एक सच्चा फैशन आइकन बनाता है। बता दें कि जॉर्जिया एंड्रियानी अपने इंडो-इटैलियन चार्म और फैशन स्टाइल के लिए जानी जाती हैं।

पारंपरिक भारतीय पहनावे को आधुनिक अंदाज़ में पेश करने की उनकी कला उन्हें बाकी से अलग पहचान देती है। खासतौर पर लहंगे को उन्होंने केवल रस्मों तक सीमित न रखकर, आत्मविश्वास और पर्सनल स्टाइल का प्रतीक बना दिया है। उनके कलेक्शन में अलग-अलग तरह के लहंगे देखने को मिलते हैं। कोरल रेड लहंगा, जिसमें सुनहरी कढ़ाई और घेरदार स्कर्ट है, क्लासिक ब्राइडल एलीगेंस को बखूबी दर्शाता है। वहीं, काले और सफेद ज्यामितीय प्रिंट वाला लहंगा एक फन और फ्रेश ट्विस्ट देता है, जो यह साबित करता है कि पारंपरिक आउटफिट्स आरामदायक भी हो सकते हैं।

हंसना-हंसाना छोड़ गए जसविंदर भल्ला

पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता जसविंदर भल्ला का 65 साल की उम्र में निधन हो गया है। उनके निधन से पंजाबी सिनेमा और दर्शकों के बीच शोक की लहर है। अपनी अद्भुत कॉमिक टाइमिंग और शानदार अदाकारी के लिए जाने जाने वाले जसविंदर भल्ला ने गुरुवार की सुबह मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। वे कुछ समय से बीमार चल रहे थे।

कॉमेडियन बनने से पहले प्रोफेसर थे

बहुत कम लोग जानते हैं कि जसविंदर भल्ला का करियर सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं था। उनका जन्म 4 मई 1960 को लुधियाना में हुआ था। उन्होंने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (क्र) से अपनी क्रस्.६ और रूस्.६ की पढ़ाई पूरी की और बाद में चौधरी चरण सिंह पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज मेरठ से पीएचडी भी की।

भल्ला ने अपना करियर क्र में एक सहायक प्रोफेसर के रूप में शुरू किया था। अपनी सेवानिवृत्ति तक वे विस्तार शिक्षा विभाग में प्रोफेसर और प्रमुख के पद पर कार्यरत रहे।

ऑडियो कैसेट से शुरू हुआ कॉमेडी का सफर

जसविंदर भल्ला ने अपने पेशेवर कॉमेडी करियर की शुरुआत 1988 में अपने सहपाठी बाल मुकुंद शर्मा के साथ ऑडियो कैसेट 'छनकटा 1988' से की थी। यह सीरीज इतनी सफल रही कि उन्होंने इसकी 27 से भी ज्यादा ऑडियो और वीडियो एल्बम जारी किए। 'छनकटा' में 'चाचा चतर सिंह' और 'भाना' जैसे उनके किरदार बहुत मशहूर हुए जिनके माध्यम से उन्होंने पंजाबी समाज और राजनीति पर व्यंग्य किया।

उन्होंने 1998 में फिल्म 'छनकता 88' से एक हास्य कलाकार के रूप में पंजाबी सिनेमा में कदम रखा और फिर 'दुल्ला भट्टी' से एक मुख्य अभिनेता के रूप में अपनी पहचान बनाई।

परिवार और नेटवर्थ

जसविंदर भल्ला के पिता मास्टर बहादुर सिंह भल्ला भी एक शिक्षक थे। उनकी पत्नी परमदीप भल्ला एक फाइन आर्ट टीचर हैं। उनके दो बच्चे हैं-बेटा पुखराज भल्ला जो खुद एक एक्टर हैं और बेटी अशदीप कौर जिनकी शादी नॉर्वे में हुई है।

भल्ला ने अपने फिल्मी करियर में कई हिट फिल्में दीं जिनमें 'कैरी ऑन जट्टा', 'जट एंड जूलियट', 'मेल करा दे रब्बा' और 'जिह्ने मेरा दिल लुटेया' जैसी फिल्में शामिल हैं। फिल्मों में उनके कुछ खास डायलॉग्स, जैसे 'मैं ता भंदुउ बुल्लां नाल अखरोटे' और 'ढल्लों ने काला खाट ऐवें नी पेयया', दर्शकों के बीच काफी लोकप्रिय हुए। पंजाबी इंडस्ट्री के जाने-माने चेहरे जसविंदर भल्ला की कुल संपत्ति करीब 87 मिलियन थी। उनका जाना पंजाबी मनोरंजन जगत के लिए एक बड़ा नुकसान है।

मैडॉक फिल्म्स की आगामी फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज

मैडॉक फिल्म्स ने अपनी अगली फिल्म 'थामा' का टीजर रिलीज कर दिया गया है। करीब 1 मिनट 49 सेकंड लंबे इस टीजर की शुरुआत घने जंगल के सीन से होती है, जहां आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना रोमांटिक पलों में नजर आते हैं। इसी बीच बैकग्राउंड से आवाज आती है, 卐रह पाओगी मेरे बिना? 100 साल तक?卐 जिस पर रश्मिका जवाब देती हैं, 卐100 साल तो क्या, एक पल के लिए भी नहीं।卐 इसके बाद कहानी अचानक रोमांस से निकलकर डर और थ्रिल की ओर मुड़ जाती है। टीजर में आयुष्मान खतरनाक ताकतों और जंगली जानवरों से जूझते दिखते हैं, जबकि जंगल में अजीब और डरावनी घटनाएं घटती हैं। कई सीक्वेंस ऐसे हैं जो रोंगटे खड़े कर देते हैं। वहीं, टीजर में मलाइका अरोड़ा के डांस की झलक भी दिखाई गई है। फिल्म की स्टारकास्ट भी काफी दमदार है। आयुष्मान और रश्मिका के अलावा इसमें फैसल मलिक ('पंचायत' फेम प्रह्लाद चा), नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल जैसे अनुभवी कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खासकर टीजर के अंत में नवाजुद्दीन डरावने लुक में दिखते हैं और कहते हैं, 卐पिछले 75 सालों से कोई रोमांस नहीं देखा मैंने... चालू रखो।卐 यह डायलॉग फिल्म के रोमांस और हॉरर दोनों पहलुओं को और भी दिलचस्प बनाता है। निर्देशक आदित्य सरपोतदार ने फिल्म का निर्देशन किया है। मैडॉक फिल्म्स ने इसे अपनी पहली हॉरर लव स्टोरी बताया है।

शीबा चड्ढा चाहती हैं अब चुनौतीपूर्ण किरदार

वेब सीरीज़ 'बकैती' में सुषमा कटारिया के किरदार से अभिनेत्री शीबा चड्ढा दर्शकों का दिल जीत रही हैं। अभिनेत्री मां की भूमिका में हमेशा की तरह अपने सहज लेकिन गहरे अभिनय से छाप छोड़ती हैं। उन्हें मां जैसे किरदारों में काफी सराहना मिली है, लेकिन अब शीबा खुद को और चुनौती देना चाहती हैं। उन्होंने कहा मैं खुश हूं कि मुझे अच्छे सेट्स और बेहतरीन लोगों के साथ काम करने का मौका मिलता है, यह मेरे लिए आशीर्वाद है। लेकिन अब मैं ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं जो मां की भूमिका तक सीमित न हों, बल्कि कुछ अलग और दमदार कहानियां कहने का अवसर दें।

सीरीज़ की कहानी पुराने गाज़ियाबाद की गलियों में बसे एक मिडिल क्लास परिवार पर आधारित है। इसमें रोज़मर्रा की दिक़्क़तें, भाई-बहनों की नोकझोंक और परिवार का प्यार बड़े सच्चे अंदाज़ में दिखाया गया है। कहानी तब मोड़ लेती है जब नैना (तान्या शर्मा) को मजबूरी में अपने शरारती भाई भरत (आदित्य शुक्ला) के साथ कमरा शेयर करना पड़ता है और हालात धीरे-धीरे परिवार की शांति को हिला देते हैं। ऐसे में शीबा का किरदार भावनात्मक सहारा बनकर सामने आता है। निर्देशक अमित गुप्ता की इस सीरीज़ में शीबा के साथ राजेश तैलंग, तान्या शर्मा, आदित्य शुक्ला मुख्य भूमिकाओं में हैं।

फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक का खुलासा किया मृणाल ने

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिन्हें उन्होंने खुद क्लिक किया है। एक्ट्रेस ने फोटोग्राफी के प्रति अपने शौक और नए सफर का खुलासा किया। मृणाल ने लिखा कि उन्होंने थोड़ी हिम्मत करके यह तस्वीरें पोस्ट की हैं और मजाकिया अंदाज में कहा कि शायद बाद में इन्हें डिलीट भी कर दें। उन्होंने आगे लिखा कि वह हमेशा से मानती रही हैं कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है और जब से उन्होंने फोटोग्राफी को गंभीरता से लेना शुरू किया है, यह बात और भी सच लगने लगी है। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें फोटोग्राफी हमेशा से आकर्षित करती रही है और अब वह इसे और गहराई से समझना चाहती हैं। उनके मुताबिक, उनके अंदर हमेशा से कुछ नया सीखने और जानने की जिज्ञासा रही है।

पिछले साल जब उन्होंने अपना पहला कैमरा खरीदा, तो यह शौक और पुख्ता हो गया। हालांकि कैमरा खरीदने के साथ एक डर भी था कि कहीं इसे संभाल न पाएं या खराब न कर दें, लेकिन फिर उन्होंने खुद को समझाया कि कोशिश किए बिना कुछ हासिल नहीं होता। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड फोटोग्राफी डे आने वाला है, इसलिए उन्होंने अपनी खींची कुछ तस्वीरें अपने प्रशंसकों के साथ साझा करने का निर्णय लिया। मृणाल का मानना है कि यह सफर सिर्फ क्लिक करने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें धैर्य, रुकना और ओवरथिंकिंग जैसी प्रक्रियाएं भी शामिल हैं। फोटोग्राफी में इस नए प्रयोग के साथ-साथ मृणाल अपने वर्कफ्रंट को लेकर भी चर्चा में हैं।

हाल ही में वह फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' में नजर आई थीं। अब वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'डकैत' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें उनके साथ साउथ इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता अदिवी सेश मुख्य भूमिका निभाते दिखेंगे। फिल्म में दिग्गज फिल्ममेकर अनुराग कश्यप भी एक अहम रोल में दिखाई देंगे। इसे शनील देव ने निर्देशित किया है और सुप्रिया यारलागड्डा व सुनील नारंग के सहयोग से अन्नपूर्णा स्टूडियोज ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म इसी साल 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मृणाल की यह पहल उनके व्यक्तित्व के एक नए पहलू को सामने लाती है।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 70664886

अतिवृष्टि एवं यलो मोजेक से फसलों को हुई क्षति का दो दिन में आंकलन कर रिर्पोट प्रस्तुत करें- चंद्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में राजस्व अधिकारियों को दिए निर्देश

नीमच 2 सितम्बर (निप्र)। जिले के सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र के सभी गांवों में अतिवृष्टी एवं यलो मोजेक रोग से फसलों को हुए नुकसान का नजरी आंकलन पूर्ण करवाकर दो दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई में ग्राम रावतखेड़ा के किसान लालसिह व अन्य गांवों के किसानों द्वारा फसल नुकसान पर आर्थिक सहायता दिलाने के आवेदन पर कार्यवाही करते हुए एसडीएम एवं तहसीलदारों को दिए। इस मौके पर जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, बी.एस.कलेश, व सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने

रामपुरा की एक महिला द्वारा स्वामित्व योजना के तहत आवासीय भूखण्ड में उसका नाम छूट जाने पर अपना नाम जुड़वाने का अनुरोध किया।

इस पर कलेक्टर ने महिला का आवेदन लेकर स्वयं अपनी कोर्ट में प्रकरण दर्ज कर, प्रकरण का नियमानुसार निराकरण करने का विश्वास दिलाया। उन्होने भरभडिया की खुशी मेघवाल के घर का विद्युत बिल अधिक आने और घर में कोई कमाउ सदस्य नहीं होने पर बिजली बिल जमा करने में असमर्थता जताने पर कलेक्टर ने खुशी मेघवाल को स्वरोजगार प्रशिक्षण दिलाकर स्वरोजगार से जोड़ने के निर्देश जिला रोजगार अधिकारी को दिए। साथ ही रेडक्रास से मदद के निर्देश भी दिए। उन्होने जीरन क्षेत्र के ग्रामीणों के आवेदन पर फसल बीमा योजना के लाभ से छूट गये किसानों के प्रकरणों की जाँच कर, छूटे हुए किसानों को नियमानुसार फसल बीमा योजना का लाभ दिलाने के निर्देश भी उपसंचालक कृषि को दिए।

जनसुनवाई में पिपल्या सिंघाडिया के भेरूलाल, बालचंद, लसुडी तंवर के भगतपुरी , पिपलिया हाडा के सुरेश चंद्र, अरनियामानगिर के मदनलाल, निपानिया आबाद के जितेन्द्र सिंह, नीमच सिटी की मनीषा, कराडिया महाराज के रामप्रसाद, रतनगढ़ के अनिल राठौर, कनावटी की दुलीसबाई, गिरदौड़ा के किशनसिह, एकता कालोनी नीमच की सुन्दरबाई, नीमच के कालु गोस्वामी, नयाबाजार नीमच के सद्दाम, बघाना के विष्णु कुमार, नेवड़ के जगदीश, पिपलोन के ओमप्रकाश ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए ।

इसी तरह मनासा के भागवंती, ग्वालटोली की श्यामाबाई, नीमच सिटी के फिरोज खान, अखेपुर की कुलसुम बी, खजूरिया के रामचंद्र, सेमली चंद्रावत के राजेन्द्र सिंह, खेतपालिया की कौशल्या, महागढ़ के ताराचंद, ग्वालटोली नीमच के राजेश कुमार, दुधलाई के शिवलाल, अठाना के मदनसिह, नीमच के कोमल, धनराज, मोहम्मद फारूख, अरनिया मानगिर के जगन्नाथ ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित जिला अधिकारियों को दिए।

औरंगाबाद की सिंगल माता ने अपनाया नीमच की 6 माह की बालिका अंशु को विहित प्रक्रिया अपनाकर लिया गया गोद

नीमच 2 सितम्बर (निप्र)। कलेक्टर जिला नीमच हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नीमच अमन वैष्णव के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रयासों से बालिका अंशु (परिवर्तित नाम) को नया घर मिल गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मबावि नीमच सुश्री अंकिता पंड्या ने बताया,कि बालिका अंशु (परिवर्तित नाम) को 06 माह पूर्व परिवार द्वारा लावारिस छोड़ दिया गया था। बालिका के बारें में पता करने का प्रयास किया गया।

शिशु गृह नीमच द्वारा भी बच्ची के परिवार के बारे में बहुत तलाश की गई, परन्तु बच्ची के परिवार के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। बालिका के परिवार के बारे में किसी प्रकार की जानकारी नहीं मिलने पर बाल कल्याण समिति नीमच के आदेश उपरांत बालिका को लीगल फ्री करवाया जाकर CARA पोर्टल पर दर्ज करवाया गया।

6 माह की बालिका अंशु(परिवर्तित नाम) शिशु गृह नीमच में आश्रयरत थी। सिंगल माता सुश्री रिद्धिमा शर्मा(परिवर्तित नाम) द्वारा CARA पोर्टल पर बच्चे को गोद लेने हेतु 2021 में रजिस्टर्ड करवाया गया था विहित प्रक्रिया के पालन पश्चात बालिका अंशु (परिवर्तित नाम) को सुश्री रिद्धिमा शर्मा(परिवर्तित नाम) को गोद दिया गया।

घरेलू हिंसा से पीड़ित सुश्री शर्मा का अपने पति से विवाह विच्छेद 2021 में हो गया था तथा विवाह विच्छेद के पश्चात सुश्री शर्मा को अपने जीवन में कोई उम्मीद नहीं नजर आ रही थी ऐसी स्थिति में सुश्री रिद्धिमा द्वारा अपने बच्चे के रूप में बालिका को गोद लेने का निर्णय लिया गया।

माता सुश्री शर्मा बैंक मैनेजर है वे बताती है, कि वे बच्चें के रूप में बालिका को ही चाहती थी इसीलिए उन्होंने बालिका हेतु रजिस्टर्ड करवाया गया। बालिका अंशु (परिवर्तित नाम) को गोद दिए जाने की विहित प्रक्रिया के समय शिशु गृह संचालिका श्रीमती ऊषा गुप्ता,शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ.योगेंद्र धाकड़ एवं शिशु गृह से शुभम राजोरा सहित अन्य स्टाफ उपस्थित था।

धर्म आचरण में नहीं तो जीवन है शून्य - आचार्य प्रशमेशप्रभ

नीमच 2 सितम्बर (निप्र)। चातुर्मास में संत धर्म जागृति का संदेश लेकर आते हैं। आज का मानव धन और साधन में सुख को ढूंढ रहा है लेकिन मानसिक शांति का अभाव है ।जीवन यदि धर्म का आचरण नहीं तो जीवन शून्य होता है। यह बात आचार्य श्री विजय प्रशमेश प्रभ सुरीश्वर जी मसा ने कही। वे श्री जैन श्वेतांबर भीड़ भंजन पार्श्वनाथ मंदिर मंडल के तत्वाधान में चातुर्मास के जैन भवन में आयोजित धर्म सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति के लिए ऊंचा पद ,धन ,वैभव की आवश्यकता नहीं होती है ।धन तो साधन और सुरक्षा देता है लेकिन शांति नहीं, धर्म हमें आत्म निरीक्षण का अवसर देता है, जो धर्म-धारण करता है धर्म उसकी रक्षा करता है ।धर्म उस अमृत गंगा के समान है जो सभी पापों को दो देता है, धर्म आचरण में आ जाने पर मानव के जीवन में विनय का भाव आ जाता है । धन आने के बाद सुख आ जाए या नहीं है निश्चित नहीं है लेकिन धर्म आ गया तो सुख अवश्य आ जाएगा। यदि हमारा धर्म नहीं है तो कोई भी हमारा नहीं होता है। इस अवसर पर समाज जनों द्वारा निरंतर उपवास,छठ ,अठ्म ,तेला,बियासना, एकासना की तपस्या की जा रही है। जिसमें 90 श्रद्धालु भक्तों द्वारा वर्षितप की तपस्या की जा रही है ।

मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में द्वितीय चरण का स्प्रे कार्य प्रारंभ

नीमच 1 सितंबर (निप्र)। राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियत्रंण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में पूर्व वर्षो में मलेरिया प्रभावित 19 ग्रामों में मच्छर जनित बीमारियों के नियत्रंण हेतु अल्फासाइपर मेथ्रिन 5 प्रतिशत कीटनाशक दवा के छिडकाव का द्वितीय चरण सोमवार 1 सितंबर से ग्राम बावल नई में प्रांरभ किया गया है,जो कि चरणबद्ध तरीके से 29-सितंबर-2025 तक सम्पन्न होगा। प्रथम चरण (जून-जुलाई) में जिन ग्रामों मे छिडकाव किया गया था उन्ही ग्रामों में यह स्प्रे कार्य किया जावेगा। जिला मलेरिया अधिकारी नीमच ने बताया कि जिले में माह जनवरी 2025 से माह अगस्त 2025 तक 81478 बुखार पीडितों का फीवर सर्वे किया गया। जिसमें 48 मलेरिया पॉजीटिव मरीज पाये गये थे। जिनका पूर्ण उपचार किया जाकर स्वास्थ्य लाभ प्रदान किया गया। ग्रामों में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के माध्यम से मच्छरों की उत्पत्ति रोकने हेतु लार्वा नष्टीकरण की कार्यवाही तथा बुखार पाये जाने पर मलेरिया की जॉच सतत की जा रही है। मलेरिया की जॉच हेतु आर.डी.टी. किट सभी आशा कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं स्वास्थ्य संस्थाओं पर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

औषधि निरीक्षक ने की तीन दवाई दुकानों पर की कार्यवाही

नीमच 1 सितंबर (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा औषधि विक्रय संस्थानों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है | ड्रग इंस्पेक्टर नीमच ने बताया कि विशेषतः एनआरएक्स/ नशे के रूप में दुरूपयोग की संभावना वाली दवाइयों के रिकॉर्ड की जाँच की जा रही है ।

औषधि निरीक्षक नीमच द्वारा विभिन्न औषधि विक्रय संस्थानों के औचक निरीक्षण के दौरान पाई गई अनियमितताओं के आधार पर जिले में संचालित 03 मेडिकल स्टोर्स पर कार्यवाही की गई है । निरीक्षण के दौरान संबंधित संस्थानों के संचालन में विभिन्न अनियमितताएं पाई गई थी जिनके आधार पर संस्थानों को औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी जिला नीमच द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र जारी किये गये थे जिसके प्रतिउत्तर में संचालकों द्वारा संतोषजनक तथ्य एवं दस्तावेज प्रस्तुत ना कर पाने के कारण औषधि एवं प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत नियमों के उल्लंघन पर औषधि अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा मेसर्स कमल मेडिकोज मनासा का लाइसेंस 05 दिवस एवं मेसर्स सेंट्रल मेडिकल स्टोर्स नीमच का लाइसेंस 04 दिवस के लिए निलंबित किया गया है । इसी प्रकार औचक निरीक्षण के दौरान अनियमितताएं पाए जाने पर मेसर्स सांवलिया मेडिकल एंड जनरल स्टोर मनासा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी जारी किया गया है जिसमें मेडिकल संचालक द्वारा जवाब/दस्तावेज प्रस्तुत करने के पश्चात नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी । साथ ही नीमच जिले के समस्त औषधि विक्रेताओं को निर्देशित किया गया है कि संस्थान संचालन के दौरान औषधि एवं प्रशाधन सामग्री अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 का पालन सुनिश्चित करें एवं एनआरएक्स/ नशे के रूप में दुरूपयोग की संभावना वाली दवाइयों के क्रय-विक्रय रिकॉर्ड नियमानुसार संधारित करें ।

औचक निरीक्षण के दौरान औषधि विक्रय संस्थान का संचालन नियमानुसार ना पाए पर कार्रवाई की जाएगी । यह जानकारी ड्रग इंस्पेक्टर नीमच शोभित कुमार तिवारी ने दी है।

दीन दयाल स्पर्श छात्रवृति योजना के तहत आवेदन आमंत्रित

नीमच 2 सितम्बर (निप्र)। भारतीय डाक विभाग फिलैटली छात्रवृति योजना "दीन दयाल स्पर्श योजना " वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृति प्रदाय करने हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए है, जिसमें कक्षा 6 से कक्षा 9 तक प्रत्येक कक्षा में चयनित 10-10 विद्यार्थियों को छात्रवृति प्रदान की जाएगी । छात्रवृति की राशि 6000/- एक वर्ष के लिए होगी। विस्तृत जानकारी भारतीय डाक विभाग की वेबसाइट http://www.indiapost.gov.in से अथवा कार्यालय अधीक्षक डाकघर मंदसौर से प्राप्त की जा सकती है।

आवेदन प्रक्रियाः- उक्त छात्रवृत्ति योजना में भाग लेने हेतु आवेदन पत्र नजदीकी डाकघर मे उपलब्ध होंगे तथा निर्धारित प्रारूप में पूर्ण रूप से भरा हुआ आवेदन पत्र अन्तिम तारीख को शाम 4.00 बजे तक या उसके पहले अधीक्षक डाकघर मंदसौर के कार्यालय के पते पर रजिस्टर्ड,स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा जा सकता हैं। आवेदन पत्र के लिफाफे पर स्पष्ट रूप से दीन दयाल स्पर्श छात्रवृति योजना वर्ष 2025-26 लिखा हुआ होना आवश्यक हैं। आवेदन पत्र प्रेषित करने की अंतिम तिथि 20 सितम्बर 2025 को शाम 4.00 बजे तक है। इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आवेदन पत्र अधीक्षक डाकघर, मंदसौर संभाग, मंदसौर पिन 458001 पर प्रेषित किए जा सकते हैं ।

समय-सीमा पत्रों के निराकरण एवं साप्ताहिक लक्ष्यपूर्ति को गंभीरता से लें - कलेक्टर

राजस्व एवं कृषि अधिकारी अपने अमले के साथ फील्ड भ्रमण कर फसल क्षति का तत्काल नजरी आंकलन रिपोर्ट प्रस्तुत करें

नीमच 2 सितम्बर (निप्र)। समय-सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक और साप्ताहिक लक्ष्यों की पूर्ति के कार्य को सभी जिला अधिकारी पूरी गंभीरता से ले और सम्पूर्ण विभागीय जानकारी के साथ बैठक में उपस्थित रहे। राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारी अपने मैदानी अमले के साथ आगामी दो दिन में फील्ड विजिट करें और फसलों को हुए नुकसान का नजरी आंकलन कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करें। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित टी.एल.बैठक में सभी जिला अधिकारियों को दिए ।

बैठक में जिला पंचायत सीईओ

अमन वैष्णव, एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, बी.एस.कलेश, सभी एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर पराग जैन, सुश्री मयूरी जोक एवं सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे । बैठक में कलेक्टर ने कृषि एवं राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे अपनी देखरेख में फसल कटाई प्रयोग को अच्छे से करवाएं। उन्होने सभी जनपदों और सीएमओ को शेष रहे समग्र, ई-केवायसी का कार्य इसी एक सप्ताह में पूरा करवाने के निर्देश दिए। सी.एम.हेल्पलाईन की समीक्षा में कलेक्टर ने सभी विभागों को संतुष्टी के साथ सी.एम.हेल्पलाईन बंद करवाने और अपने-अपने विभाग की मासिक रैंक 10 के नीचे हासिल करने के निर्देश दिए। बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की प्रगति की समीक्षा में बताया गया, कि जिले में अब तक 625 घरों में सौर ऊर्जा पैनल लगवाए गये है और दिसम्बर तक 3000 घरों को सौर ऊर्जा से रोशन करने का लक्ष्य पूर्ण कर लिया जावेगा । गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना की समीक्षा में महाप्रबंधक जल निगम ने बताया, कि गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना से जिले में जल प्रदाय की टेस्टिंग का कार्य कर लिया गया हैं। नवम्बर तक हर घर नल जल योजना से शुद्ध जल प्रदाय आपूर्ति प्रारंभ कर दी जावेगी ।

अफीम तस्कर 2 दिन की रिमांड पर, जोधपुर के विकास की तलाश

पिपलिया स्टेशन (निप्र) 2 किलो 714 ग्राम अफीम सहित धराये आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

मामला शुक्रवार का है, जब मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शमशान के सामने बांडा खाल चौराहा, मल्हारगढ़ पर दबिश दी। इस दौरान आरोपी सोहनलाल पिता बाबूलाल निवासी ग्राम विरमोणी सारणों की ढाणी, थाना बायतु, जिला बालोतरा (राजस्थान), हाल निवासी पाल रोड, जोधपुर को पकड़ा था। आरोपी के पास रखे पिट्ठू बैग की तलाशी लेने पर 2 किलो 714 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई थी। टीआई राजेंद्र पंवार ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने कबूला है कि वह जोधपुर के विकास चौधरी के लिए काम करता है। पुलिस ने विकास के खिलाफ भी केस दर्ज कर लिया है।

नई बजटिंग प्रणाली से होगा मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास, निवेश एवं सर्वांगीण विकास पर होगा फोक्स

'शून्य आधारित बजटिंग' और 'त्रिवर्षीय रोलिंग बजट' वाला पहला राज्य बनेगा मध्यप्रदेश

भोपाल 2 सितम्बर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश तेजी से औद्योगिकीकरण और विकास की नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश सरकार का फोकस केवल आर्थिक वृद्धि पर ही नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना निर्माण और सामाजिक न्याय पर भी है। इसी दिशा में सरकार ने मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिये बजट को अगले 5 वर्ष में दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। इससे हर क्षेत्र में निवेश और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति मिलेगी। साथ ही बढ़ते बजट प्रावधान में विभागों के बजट पर अनुशासन लगाने की महत्वपूर्ण पहल भी की जा रही है।

इसी कड़ी में अब राज्य सरकार ने वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक विकास की ठोस रणनीति तैयार करते हुए शून्य आधारित बजटिंग (Zero Based Budgeting) और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। उप मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि यह पहल "विकसित मध्यप्रदेश 2047" की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में ठोस आधार बनेगी और देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक आदर्श साबित होगी। श्री देवड़ा ने कहा "शून्य आधारित बजटिंग और त्रिवर्षीय रोलिंग बजट से न केवल प्रदेश की योजनाओं का ठोस मूल्यांकन होगा, बल्कि प्रत्येक खर्च का सीधा संबंध समाज की आवश्यकताओं और राज्य की प्राथमिकताओं से जोड़ा जा सकेगा। यह कदम मध्यप्रदेश को विकसित भारत और विकसित मध्यप्रदेश 2047 की दिशा में सबसे मजबूत आधार प्रदान करेगा।"

महत्वपूर्ण है यह पहल - अब तक अधिकांश राज्यों में पारंपरिक बजटिंग पद्धति लागू होती रही है, जिसमें पिछले वर्षों का व्यय आधार बनते थे। इसके विपरीत 'जीरो बेस्ड बजटिंग' में हर योजना को शून्य से शुरू कर उसकी उपयोगिता सिद्ध करनी होगी। इससे अप्रभावी योजनाएँ स्वतः समाप्त होंगी और संसाधनों का इष्टतम उपयोग संभव होगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों ने इस प्रणाली को अपनाया है, जहाँ इससे गुड गवर्नेंस और फाइनेंशियल डिसिप्लिन को मजबूती मिली है। अब मध्यप्रदेश इस दिशा में भारत में अग्रणी राज्य बनकर अन्य राज्यों के लिए भी एक मॉडल पेश कर रहा है।

रोलिंग बजट से लगातार "फॉरवर्ड लुकिंग" दृष्टि - रोलिंग बजट पद्धति से 2026-27, 2027-28 और 2028-29 के लिए बजट बनेगा और हर वर्ष इसकी समीक्षा कर नए अनुमानों को जोड़ा जाएगा। इससे योजनाएँ हमेशा आगे की ओर देखने वाली होगी और अल्पकालिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक विकास को गति मिलेगी।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह मॉडल कॉर्पोरेट जगत में पहले से सफल साबित हो चुका है, और राज्य शासन में इसे लागू करना नीतिगत दूरदर्शिता का प्रतीक है।

वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय - वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति उपयोजना के लिए न्यूनतम 16% और अनुसूचित जनजाति उपयोजना के लिए न्यूनतम 23% बजट सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही वेतन, पेंशन, भत्तों की गणना में पारदर्शिता हेतु नई गाइडलाइन लागू होंगी। इसके अतिरिक्त ऑफ-बजट व्यय और केंद्र प्रायोजित योजनाओं के वित्तीय प्रभाव को भी अब राज्य बजट में समाविष्ट किया जाएगा। यह व्यवस्था वित्तीय अनुशासन के साथ जनहित में अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित करेगी।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में महत्व - देश के अन्य राज्यों में अभी भी पारंपरिक बजटिंग पद्धति पर निर्भरता बनी हुई है। मध्यप्रदेश का यह निर्णय वित्तीय सुधारों की दिशा में गेम-चेंजर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो आने वाले वर्षों में केंद्र और अन्य राज्य भी इस पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरित होंगे।

पेज नं. 1 का शेष... हमारा नेता ऐसा हो...

जनता के विश्वास से खिलवाड़ करने वालों को अब गद्दी छोडऩी होगी। उन्होंने स्थानीय स्तर के मुद्दें भी उठाए, जिसमें उन्होंने रेडक्रास के चुनाव होने के बाद मतगणना को रोक को चुनाव को स्थगित करना दर्शाता है कि प्रशासन सत्ता के दवाब में काम कर रहा है।

बाहेती ने कहा कि नीमच जिले में अतिवृष्टि से सोयाबीन की फसले बर्बाद हो चुकी है, किसान सर्वे की मांग को लेकर ज्ञापन दे रहे हैं, पर उनकी सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। फसल बीमा देने के नाम भी किसानों को छला गया है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष कहा कि कांग्रेस के आंदोलन को देख सत्ता के नुमाईंदे और प्रशासन घबरा गया है और कांग्रेस कार्यकर्ता और किसानों को रोकने के पूरजोर प्रयास किए, फिर जनता ने कांग्रेस को समर्थन और कार्यक्रम को सफल बनाया। "वोट अधिकार सत्याग्रह" के आयोजन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, महिलाएं एवं युवाओं की भीड़ देखी गई। सभा में पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौरसिया ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने मतदाता सूची में हो रही गड़बड़ियों और लोकतांत्रिक प्रक्रिया से हो रहे खिलवाड़ का विरोध किया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन तब तक चलेगा जब तक जनता को न्याय और लोकतांत्रिक अधिकार नहीं मिलते। नीमच रैली कांग्रेस के लिए केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं बल्कि विपक्षी ताक़त को मजबूत करने का प्रतीक भी है।

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45990/-~~ रु 38,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.38,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी
के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 9407423966, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।